

कांतिसार लोहा 10. सोना-मक्खी 11. रूपा-मक्खी।

**महाराग** पुं. (तत्.) वज्रयानी तांत्रिक साधना में वह राग या परम अनुराग जो साधक के मन में महामुद्रा के प्रति होता है टि. बिना इस प्रकार का राग उत्पन्न हुए इस जन्मे में बोधिका प्राप्ति असंभव होती है।

**महाराज** पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा राजा, अनेक राजाओं का प्रधान राजा 2. गुरु, धर्माचार्य, पूज्य ब्राह्मण आदि के लिए संबोधन सूचक पद 3. भोजन बनाने वाला ब्राह्मण रसोइया 4. अंग्रेजी शासनकाल में बड़े राजाओं को दी जाने वाली उपाधि।

**महाराजाधिराज** पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा राजा 2. अंग्रेजी शासन में एक प्रकार की उपाधि जो प्रायः बड़े राजाओं को मिलती थी।

**महाराजिक** पुं. (तत्.) एक प्रकार के देवता जिनकी संख्या कहीं 226 और कहीं 4000 कही गई है।

**महाराणा** पुं. (तद्.) मेवाड़, चितौर और उदयपुर के राजाओं की उपाधि।

**महारात्रि** स्त्री. (तत्.) 1. महा प्रलय वाली रात, जब कि ब्रह्मा का लय हो जाता है 2. तांत्रिकों के अनुसार ठीक आधी रात बीतने पर दो मुहूर्तों का समय जो बहुत ही पवित्र समझा जाता है 3. दुर्गा।

**महारावण** पुं. (तत्.) पुराणानुसार वह रावण जिसके हजार मुख और दो हजार भुजाएँ थी।

**महारावल** पुं. (तद्.) जैसलमेर, इंगरपुर आदि राज्यों के राजाओं की उपाधि।

**महाराष्ट्र** पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा राज्य 2. दक्षिण भारत का एक प्रसिद्ध प्रदेश जो अब भारत का एक राज्य है तथा जिसकी राजधानी मुंबई है 3. उक्त राज्य का निवासी, मराठा।

**महाराष्ट्री** स्त्री. (तत्.) 1. मध्य युग में एक प्रकार की प्राकृत भाषा जो महाराष्ट्र देश में बोली जाती थी 2. जल-पीपल।

**महाराष्ट्रीय** वि. (तत्.) महाराष्ट्र-संबंधी, महाराष्ट्र का।

**महारुद्र** पुं. (तत्.) शिव।

**महारूपक** पुं. (तत्.) साहित्य में रूपक या नाटक का एक प्रकार या भेद।

**महारौद्र** पुं. (तत्.) शिव काव्य. बाइस मात्राओं वाले छंदों की सामूहिक संज्ञा।

**महारौरव** पुं. (तत्.) 1. पुराणानुसार एक नरक का नाम 2. एक प्रकार का साम।

**महार्घ** वि. (तत्.) 1. बहुमूल्य 2. मँहगा।

**महार्णव** पुं. (तत्.) 1. महासागर 2. शिव 3. पुराणानुसार एक दैत्य जिसे भगवान् ने कूर्म अवतार में अपने दाहिने पैर से उत्पन्न किया था।

**महारुद** पुं. (तत्.) सौ करोड़ की संख्या।

**महार्ह** पुं. (तत्.) सफेद चंदन।

**महाल** पुं. (अर.) 1. मुहल्ला, टोला 2. कोई ऐसी चीज या जगह जिसमें एक ही तरह के बहुत से जीव एक साथ रहते हों जैसे- शहद की मक्खियों का महाल अर्थात् छत्ता 3. जमीन के बंदोबस्त के काम के लिए किया हुआ जमीन का ऐसा विभाग, जिसमें कई गाँव होते हैं 4. मध्य युग में, ऐसी जमींदारी जिसमें बहुत सी पट्टियाँ या हिस्सेदार होते थे वि. मुहाल (बहुत कठिन या दुष्कर)।

**महालक्ष्मी** स्त्री. (तत्.) 1. लक्ष्मी देवी की एक मूर्ति 2. वह कन्या जो दुर्गापूजा के उत्सव में दुर्गा का एक रूप धारण करती है 3. नारायण की एक शक्ति काव्य. एक प्रकार का वर्णिक वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में तीन रगण होते हैं।

**महालय** पुं. (तत्.) 1. महाप्रलय 2. पितृपक्ष 3. तीर्थ 4. नारायण।

**महालया** स्त्री. (तत्.) आश्विन कृष्ण अमावस्या, यह पितृ विसर्जन का दिन है।

**महालिंग** पुं. (तत्.) महादेव।